Date: ______ Page: ______

B.A(H)
PART-IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER-I: BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY
CHAPTER-7 (Authority & Legitimacy)
LECTURE NO. - 16
DATE: 28/04/2020

FROM PAGE NO. 1 TO 5

BY: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

सत्ता के आधार

सत्ता के अनेक आधार हैं. इनमें से कुछ प्रमुख आधार निम्नलिखित है–

(i) औचित्यपूर्णता ;
(ii) विश्वास ;
(iii) विचारों की एकरूपता ;
(iv) विभिन्न दण्ड विधान ;
(v) अधीनस्थों की प्रकृति ;
(vi) संविधान एवं प्रशासनिक व्यवस्था ;
(vii) सत्ताधारी की कार्यकुशलता एवं वैयक्तिक गुण ;
(viii) अपने राज्य को भली-भाँति अस्तित्व बनाये रखने की इच्छा।

उपर्युक्त सत्ता के आधारों में औचित्यपूर्णता सबसे महत्वपूर्ण है। यह सत्ता की नींव है। इसके द्वारा ही सत्ताधारी की शक्तियों को वैधता मिलती है।

Next-

Scanned with CamScanner

क्रमशः

सत्ता पालन के आधार

सत्ता की प्रकृति के सम्बंध में प्रो० बीच महोदय द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों (i) औपचारिक सत्ता सिद्धांत (ii) स्वीकृति सिद्धांत से सत्ता पालन के आधार स्पष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा मैक्स वेबर, मेरी पार्कर फॉलेट, चेस्टर बर्नार्ड एवं साइमन ने भी सत्ता पालन के आधार के सम्बंध में विचार दिए। इनमें से साइमन के विचार महत्वपूर्ण हैं। साइमन ने सत्ता पालन के प्रमुख चार आधार बतलाए हैं जो इस प्रकार हैं—

(i) विश्वास—

यह सत्ता पालन का सम्भवतया सबसे प्रमुख आधार है। अधीनस्थ सत्ताधारी के प्रति विश्वास के कारण उसके आदेशों का पालन करते हैं। यह विश्वास जितना गहरा होता है, उतना ही आदेशों का पालन सरल एवं स्वाभाविक हो जाता है।

(ii) एकरूपता—

अधीनस्थ एवं सत्ताधारी के विचारों एवं आदर्शों में जितनी एकरूपता रहती है उतना ही सरल रूप से अधीनस्थों के द्वारा सत्ताधारी के आदेशों का पालन किया जाता है। विचारों के एकरूपता के कारण ही राजनीति विज्ञान में कई विचारधाराओं का उदय हुआ है।

(iii) दबाव—

प्रत्येक संगठन और प्रत्येक राज व्यवस्था में कुछ संख्या ऐसे व्यक्ति होते हैं जिन पर विश्वास या एकरूपता का प्रभाव कम पड़ता है, ऐसे व्यक्तियों को डरा, धमकाकर उन पर दबाव बनाके सत्ताधारी के आदेश पालन करवाया जाता है।

Next—

Scanned with CamScanner

क्रमशः (iv) वैधानिकता—

प्रत्येक संगठन में पद सोपानात्मक व्यवस्था होती है और इस पद सोपान में सत्ताधारी को उच्च स्थिति प्राप्त होने की वजह से सत्ता और सत्ताधारी के आदेशों को वैधता प्राप्त हो जाती है।

वैधानिकता का महत्व इस बात से स्पष्ट है कि जब कभी सत्ता के प्रसंग में 'वैधता का संकट' खड़ा हो जाता है, तब सत्ता की प्रभावशीलता को गहरा आघात पहुँचता है।

सत्ता पालन के वर्णित आधार- विश्वास, एकरूपता, दबाव एवं वैधानिकता सभी मिल-जुलकर कार्य करते हैं।

सत्ता के कार्य

सत्ता के अनेक कार्य हैं। प्रमुख कार्य इस प्रकार है—

(i) यह कार्य-निष्पादन हेतु अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप निर्णय लेती है।

(ii) सत्ता शासन के विभिन्न में तनाव और टकराहट दूर करके समन्वय स्थापित करती है।

(iii) यह अपनी शक्ति के सदुपयोग के लिए अपने ~~अधीनस्थों~~ अधीनस्थों पर नियंत्रण रखती है।

(iv) सत्ता शासन के विभिन्न अंगों में अनुशासन कायम रखती है।

(v) यह शासन व प्रशासन को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रत्यायोजन भी करती है।

Next—

Scanned with CamScanner

क्रमशः (VI) सत्ता राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों को पूरा करने एवं प्राप्त करने का प्रयास करती है।

इस प्रकार सत्ता अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभागों व अपने अधीनस्थों में समन्वय, समायोजन, नियन्त्रण व अनुशासन स्थापित करती है। इसके लिए वह विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ एवं उपाय करती है।

सत्ता की सीमाएँ

सत्ता कभी भी शक्ति का प्रयोग मनमानी तरीके से नहीं कर सकती है, उसे संवैधानिक कानूनों एवं राजनीतिक परिस्थितियों में रहकर कार्य करना पड़ता है तथा वह संस्कृति, मूल्यों, परम्पराओं और नैतिक अवधारणों का उल्लंघन नहीं कर सकती। सत्ता की ये सीमाओं प्राकृतिक, नैतिक, उद्देश्यगत, आंतरिक, बाहरी या प्रक्रिया सम्बंधी भी हो सकती है। सत्ता की प्रमुख सीमाएँ —

(i) प्राकृतिक सीमा;

(ii) नैतिक - धार्मिक विश्वास;

(iii) संस्कृति;

(iv) संविधान, नियम और उपनियम;

(v) आर्थिक सीमाएँ;

(vi) अधीनस्थों की क्षमताएँ और अधीनस्थों द्वारा निर्मित संघ;

(vii) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन और अन्तर्राष्ट्रीय कानून।

Next

Scanned with CamScanner

Date: ______ Page: ______

अतः इस प्रकार कहा जा सकता है कि सत्ता का कार्यक्षेत्र असीमित व निरंकुश न होकर प्रतिबंधों से मर्यादित है।

सम्भावित प्रश्न :

सत्ता पालन के आधार क्या है। सत्ता के कार्यों एवं सीमाओं का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner